Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय - 7

परिवहन तथा संचार

भाग - 2

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा 12 के लिए
भूगोल की
पाठ्यपुस्तक



भारत लोग और अर्थव्यवस्था



विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

Q. N.H.A.I. की Full-Form क्या है ?

(a) भारतीय राज्य महामार्ग प्राधिकरण

(b) अंतर्राष्ट्रीय सड़क मार्ग प्राधिकरण

(c) भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

National Highway Authority of India

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

Q. विश्व का सबसे बड़ा सड़क-जाल किस देश का है ?

(a) चीन

(b) संयुक्त राज्य अमेरिका (USA)

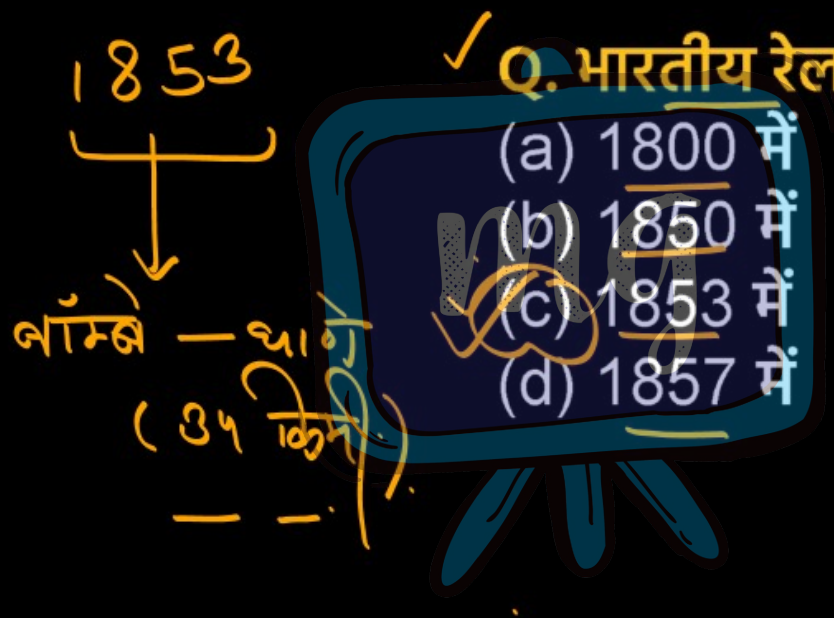
(c) भारत

(d) रूस

Under CSR Support by
ipca | Foundation

परिवहन तथा संचार

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



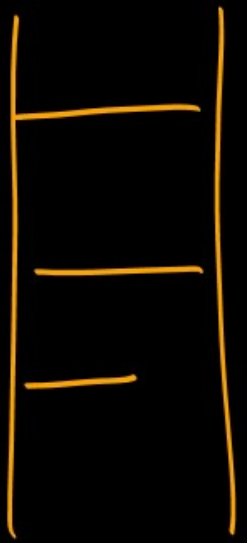
Q. भारतीय रेल की स्थापना _____ हुई।

(a) 1800 में
(b) 1850 में
(c) 1853 में
(d) 1857 में

Under CSR Support by
ipca | Foundation

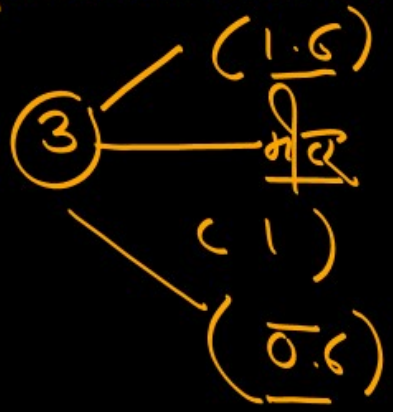
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



Q. मीटर लाइन (Meter Gauge) में रेल-पटरियों के बीच की दूरी कितनी होती है ?

(a) 1.6 मीटर
(b) 1.0 मीटर
(c) 0.6 मीटर
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



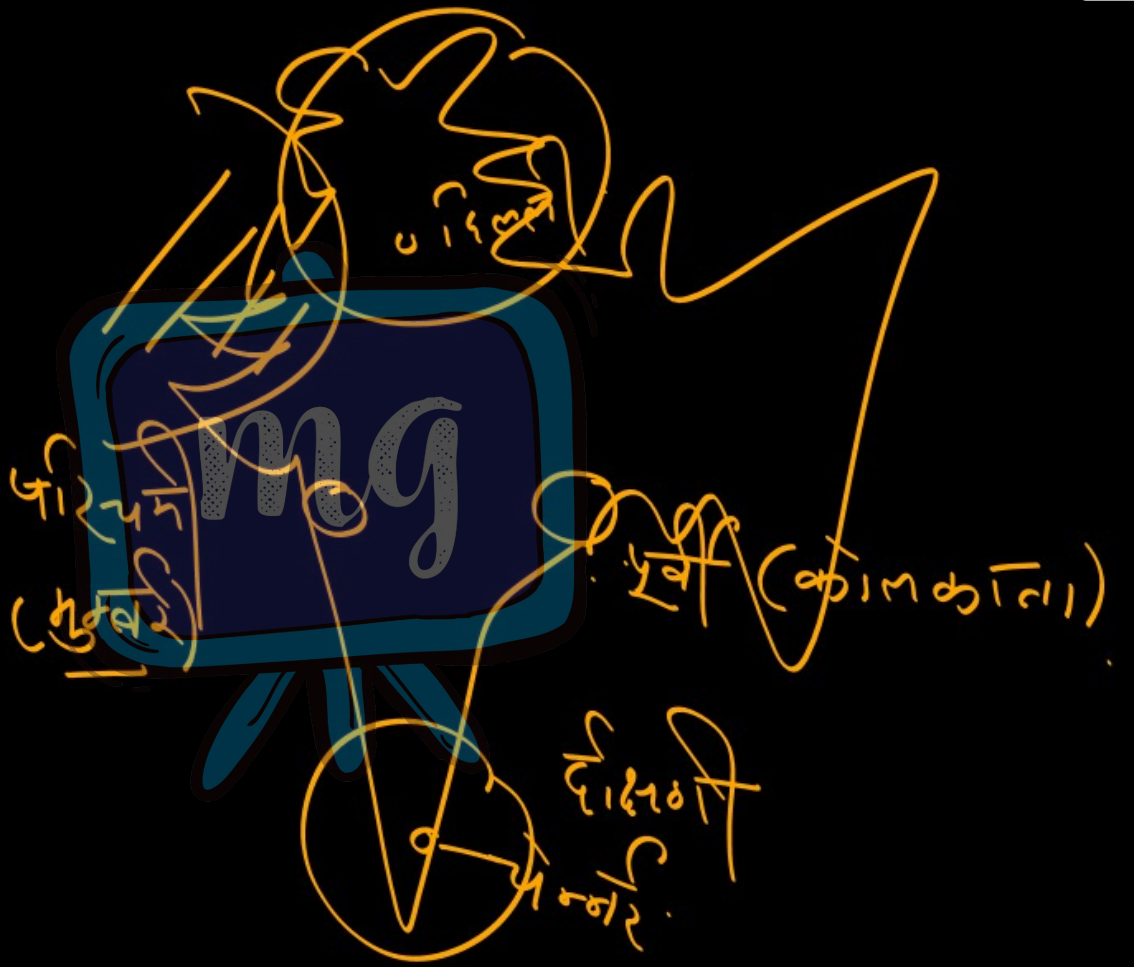
Q. उत्तर-पश्चिमी रेलवे का मुख्यालय है:-

(a) दिल्ली
(b) कोलकाता
(c) मुंबई
(d) जयपुर

उ. प. रे.

Under CSR Support by
ipca | Foundation

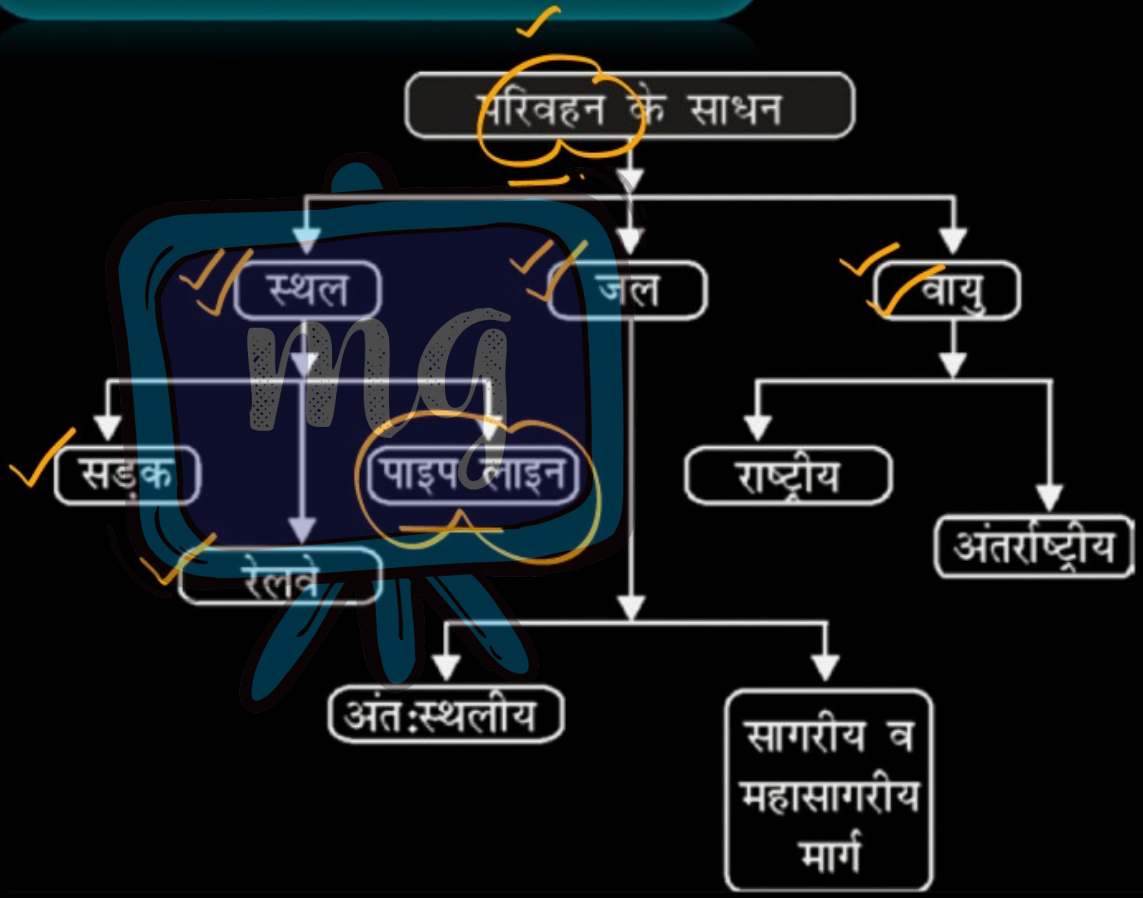
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

2. जल परिवहन

- परिवहन का सबसे सस्ता साधन
- भारी एवं स्थूल सामग्री के परिवहन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त
- ईंधन-दक्ष तथा पारिस्थितिकी-अनुकूल

दो प्रकार

(a) अन्तः स्थलीय जलमार्ग

(b) महासागरीय जलमार्ग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

(ब) अंतः स्थलीय जलमार्ग



- रेलमार्गों आने से पहले परिवहन की प्रमुख विधा

इसे सड़क परिवहन व रेल परिवहन के साथ कठिन प्रतियोगिता का सामना करना पड़ा

- नदियों के जल को सिंचाई हेतु बाँटने के कारण इन मार्गों के अधिकांश भाग नौसंचालन के योग्य नहीं रहे

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



- भारत में 14,500 कि.मी. लंबा जलमार्ग नौकायन हेतु उपलब्ध

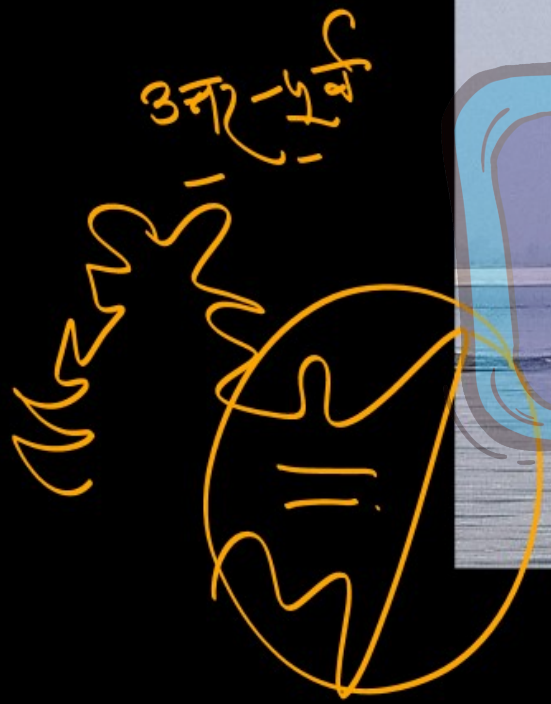
- परिवहन में लगभग 1% का योगदान

- माध्यम :- नदियाँ, नहरें, पश्च-जल, सँकरी-खाड़ियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार





उत्तर-पूर्व में नदी नौ-परिवहन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

- कुछ जलमार्ग, सरकार द्वारा राष्ट्रीय-जलमार्ग घोषित

IWAI

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI)

स्थापना :- 1986

उद्देश्य :- राष्ट्रीय-जलमार्गों का विकास, अनुरक्षण, नियमन

- IWAI ने 10 अन्य जलमार्गों की भी पहचान की है जिनको अपग्रेड किया जा सकेगा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

भारत के राष्ट्रीय जलमार्ग



जलमार्ग	विस्तार	विशिष्टता
रा.ज.मा. 1	इलाहाबाद-हल्दिया (1,620 कि.मी.)	भारत के सर्वाधिक महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक यंत्रीकृत नौकाओं द्वारा पटना तक, साधारण नौकाओं द्वारा हरिद्वार तक नौकायन योग्य है। विकासात्मक उद्देश्यों के लिए तीन भागों में विभाजित :- (i) हल्दिया-फरक्का (560 कि.मी.), (ii) फरक्का - पटना (460 कि.मी.), (iii) पटना - इलाहाबाद (600 कि.मी.)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



रा.ज.मा. 2	सदिया- धुबरी (891 कि.मी.)	ब्रह्मपुत्र नदी स्टीमर द्वारा डिब्रूगढ़ (1384 कि.मी.) तक नौकायान योग्य भारत व बांग्लादेश साझेदारी में प्रयोग
रा.ज.मा. 3	कोट्टापुरम - कोल्लम (168 कि.मी.)	पश्चिमी तट नहर (168 कि.मी.) के साथ चंपाकारा (14 कि.मी.) तथा उद्योग मंडल (23 कि.मी.) नहरें आती हैं।
रा.ज.मा. 4	काकीनाडा तथा पुदुच्चेरी-नहर स्ट्रेच के साथ-साथ गोदावरी और कृष्णा नदी का विशेष विस्तार (1078 किमी)	
रा.ज.मा. 5	मातई नदी, महानदी के डेल्टा चैनल, ब्राहमणी नदी और पूर्वी तटीय नहर के साथ ब्राहमणी नदी का विशेष विस्तार (588 किमी)	

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार





- अंतः स्थलीय जलमार्गों में केरल के पश्च-जल (कडल) का विशिष्ट महत्व है।

- परिवहन का सस्ता साधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ भारी संख्या में पर्यटकों को भी आकर्षित करते हैं।

प्रसिद्ध :- नेहरु-ट्रॉफी नौकादौड़ (वल्लामकाली)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार





(b) महासागरीय मार्ग

- भारत की अर्थव्यवस्था में महासागरीय मार्गों की महत्वपूर्ण भूमिका
- भारत में महासागरीय मार्गों द्वारा विदेशी व्यापार:-

भार के अनुसार लगभग 95%

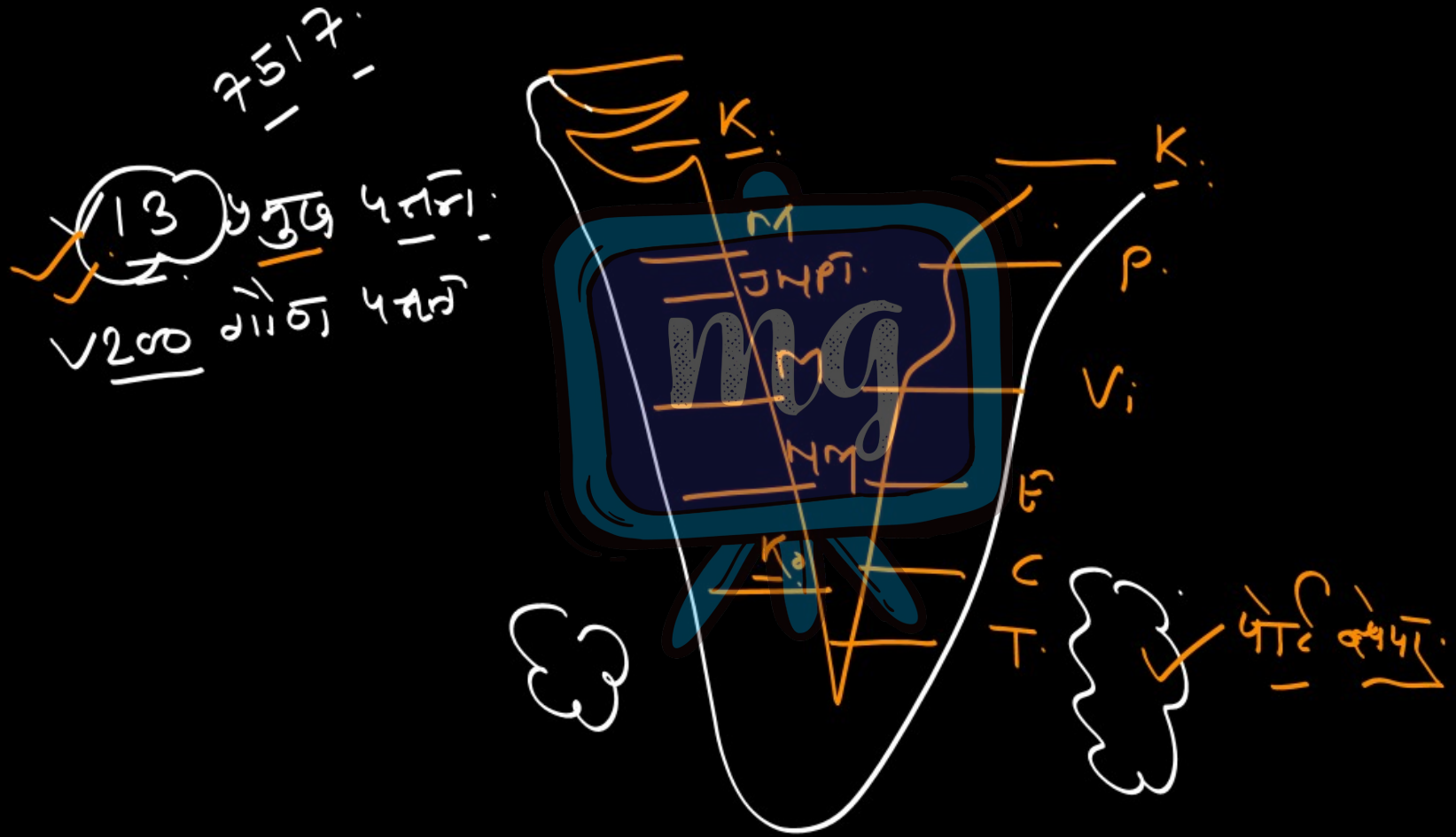
मूल्य के अनुसार लगभग 70%

भारत का समुद्री तट :- 7517 कि.मी. (द्वीपों सहित)

12 प्रमुख पत्तन ; 185 गौण पत्तन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

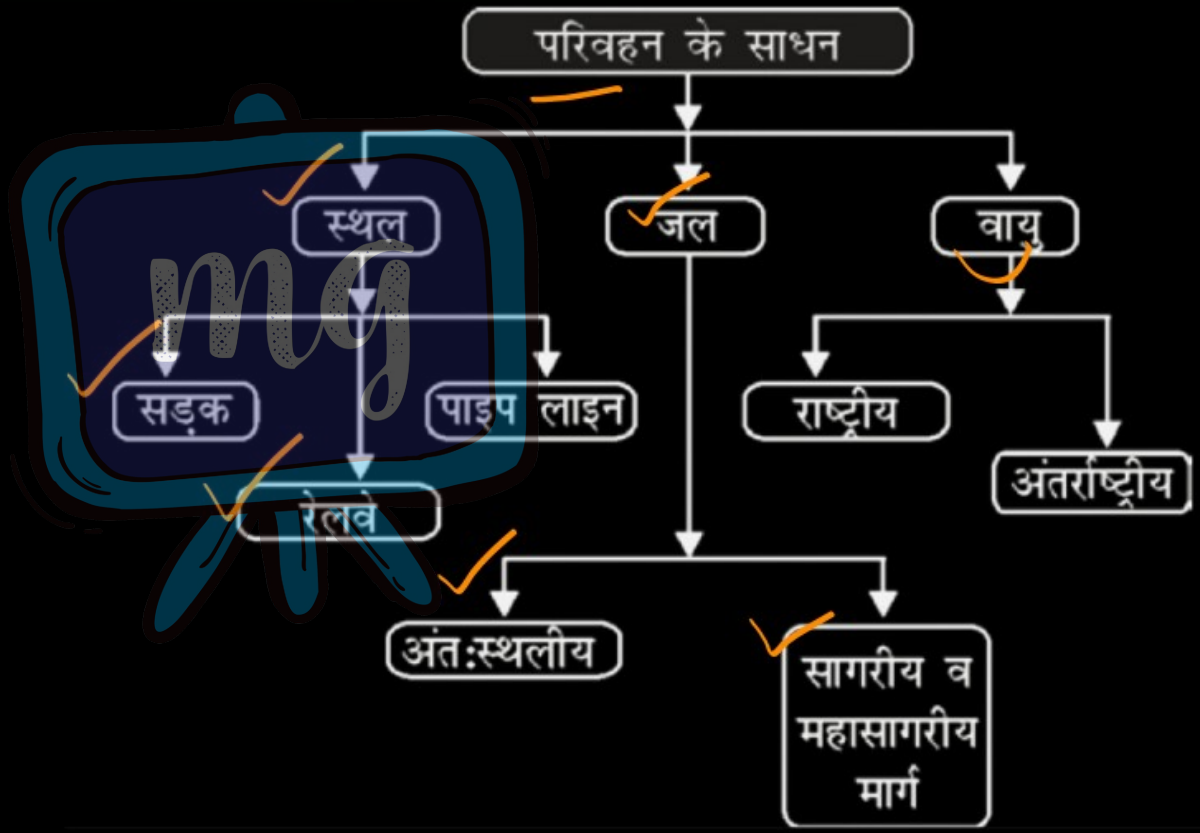
- इन मार्गों का उपयोग
  - अंतर्राष्ट्रीय-व्यापार
  - मुख्य भूमि और द्वीपों के बीच परिवहन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

3. वायु परिवहन

- आवागमन का सबसे तेज़ साधन
- भारत जैसे विस्तृत देश के लिए बहुत आवश्यक:-
  - दूरियाँ बहुत ज्यादा
  - भूभाग और जलवायु दशाओं में अत्यधिक विविधता

भारत में वायु-परिवहन की शुरुआत :- 1911
(इलाहाबाद से नैनी - 10 कि.मी. ; वायु डाक-प्रचालन हेतु)

- वास्तविक-विकास स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात्

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



1911
10 किमी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI)

- उत्तरदायित्व
  - भारतीय वायुक्षेत्र में सुरक्षित, सक्षम वायु परिवहन
  - वैमानिकी संचार-सेवाएँ प्रदान करना

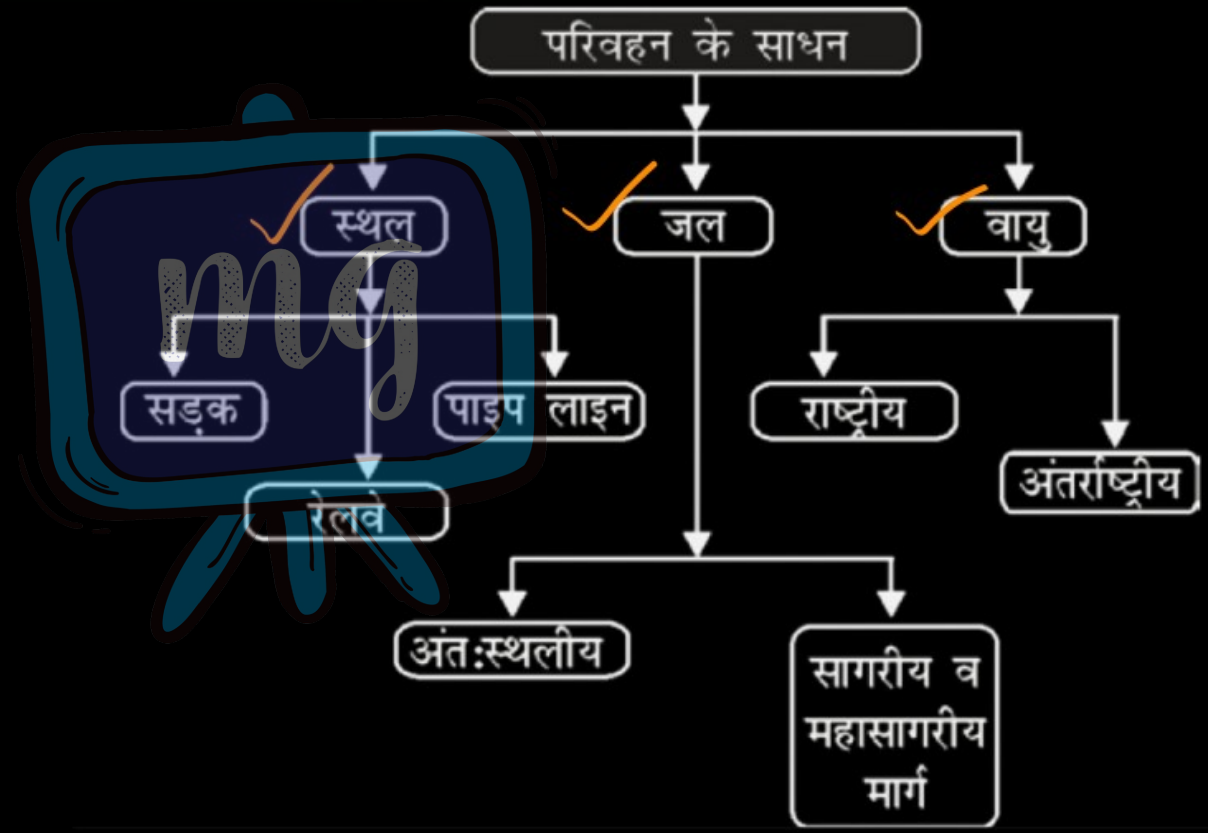
पवन हंस

- एक हेलीकॉप्टर सेवा
- पर्वतीय क्षेत्रों में सेवारत
- उत्तर-पूर्व भारत में पर्यटकों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

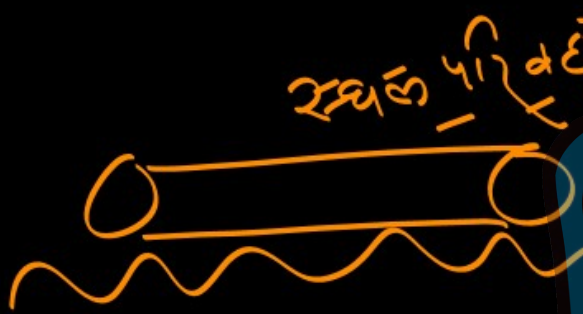
परिवहन तथा संचार



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



तेल एवं गैस पाइप लाइन

- गैस/तरल-पदार्थों के लंबी दूरी तक परिवहन हेतु अत्यधिक सुविधाजनक एवं सक्षम परिवहन प्रणाली
- ठोस पदार्थों को भी घोल में बदलकर परिवहन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

आयल इंडिया लिमिटेड (O.I.L.)

- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन
- 1959 में एक कंपनी के रूप में निगमित
- कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का:-
  - अन्वेषण
  - उत्पादन
  - परिवहन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



एशिया की पहली देश-पारीय पाइपलाइन

- निर्माण :- O.I.L.
- नहरकरिटया तेल-क्षेत्र (असम) से बरौनी तेल-शोधन कारखाने (बिहार)
- 1157 कि.मी.
- 1966 में कानपुर तक विस्तारित

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

O.I.L.

GAIL → **गेल (इंडिया) लिमिटेड**

- **स्थापना :** 1984 में (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में)
- **उद्देश्य :** प्राकृतिक गैस का परिवहन, प्रसंस्करण, विपणन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार



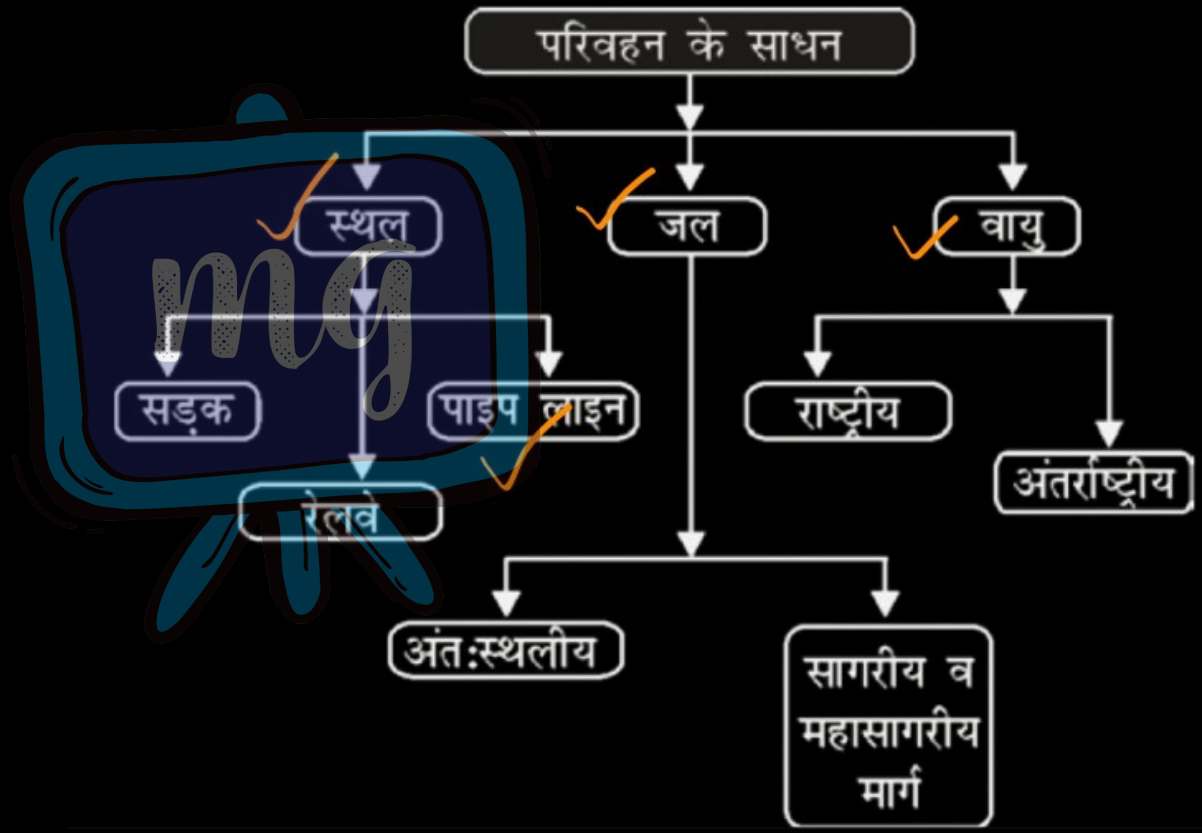
हजीरा- विजयपुर-जगदीशपुर (HVJ) पाइपलाइन

- निर्माण :- गेल
- पहली क्रॉस-कंट्री गैस पाइपलाइन
- 1,700 कि.मी.
- मुंबई हाई और बसीन गैस क्षेत्रों को उत्तरी तथा पश्चिमी भारत के विभिन्न उर्वरक, बिजली और औद्योगिक परिसरों से जोड़ता
- भारतीय गैस बाजार के विकास को गति

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

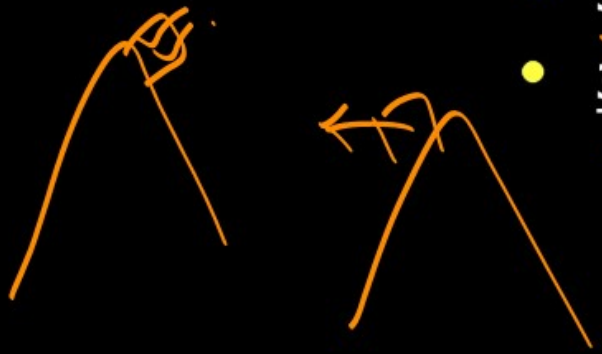


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

संचार जाल

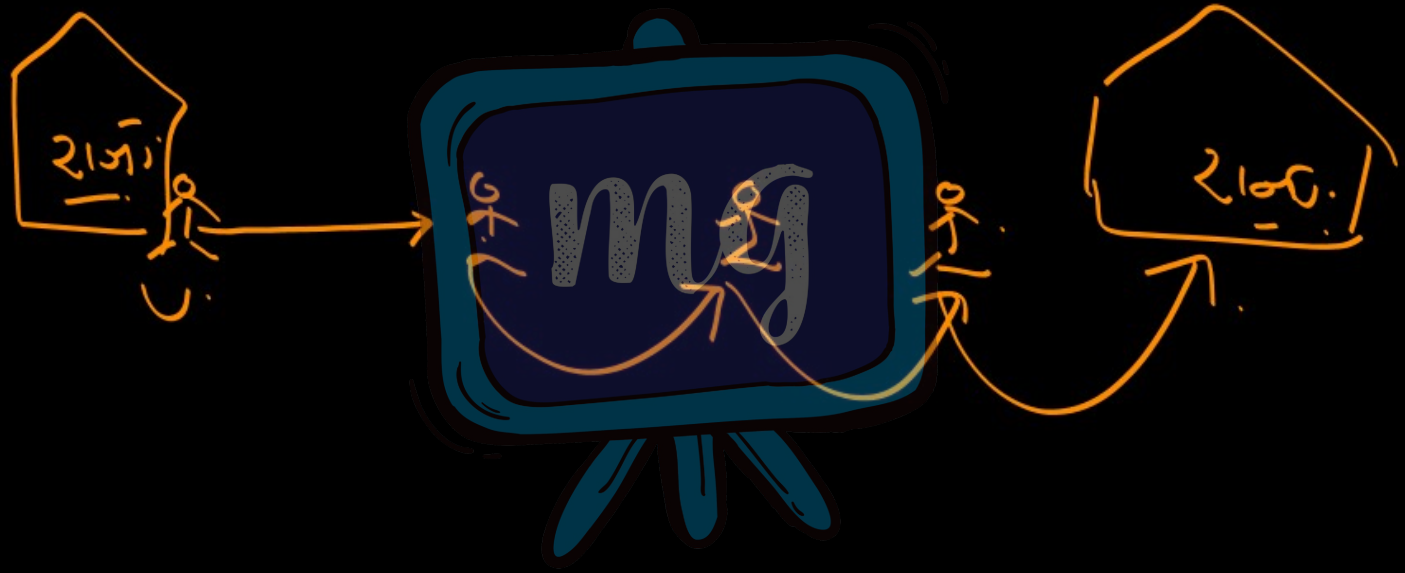


- आरंभ में परिवहन के साधन ही संचार के साधन
- आरंभिक समय में संदेश पहुंचाने के तरीके
  - ढोल/पेड़ के खोखले तने को बजाकर;
  - आग या धुएँ के संकेतों द्वारा;
  - तीव्र धावकों की सहायता;
- बाद में घोड़े, ऊँट, पक्षी, अन्य पशुओं को संदेश पहुँचाने के लिए प्रयोग

डाक, तार, प्रिंटिंग-प्रेस, दूरभाष, उपग्रहों की खोज ने संचार को आसान और बहुत तेज बना दिया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



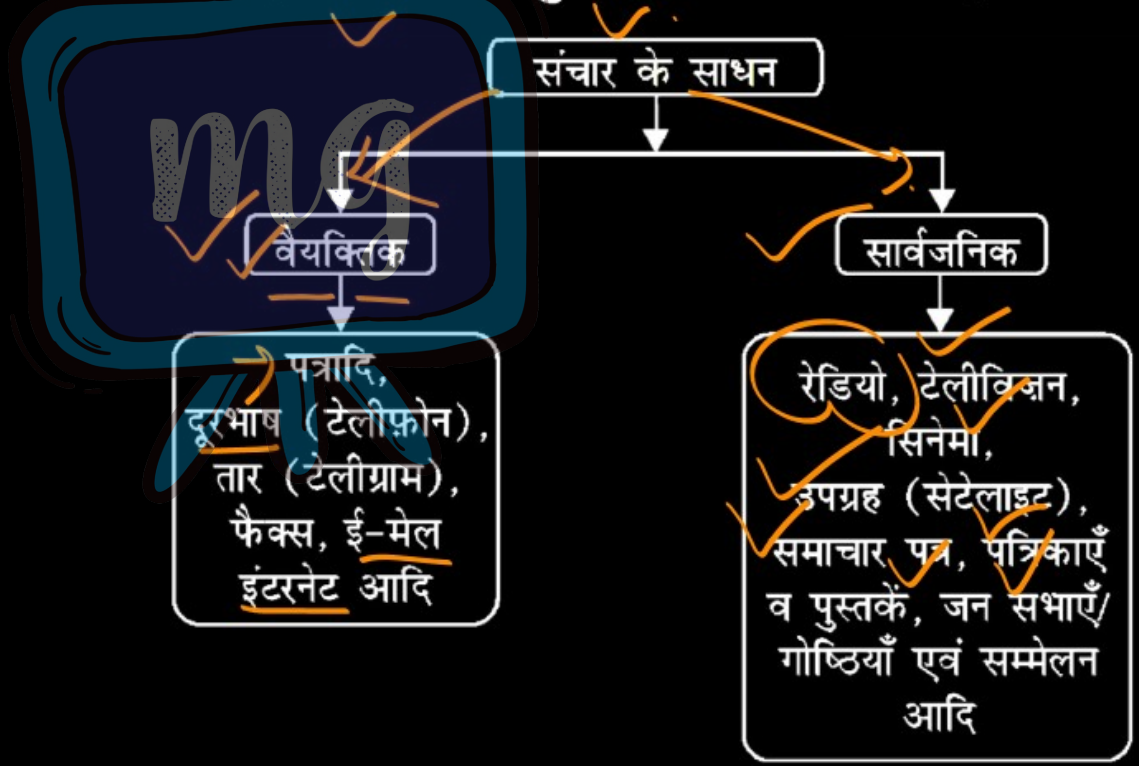
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

संचार-साधनों का विभाजन

(मापदंड एवं गुणवत्ता के आधार पर)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

1 वैयक्तिक संचार तंत्र

इंटरनेट

- वैयक्तिक संचार तंत्रों में सर्वाधिक प्रभावी
- नगरीय क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर प्रयोग
- ज्ञान और सूचना की दुनिया में सीधे पहुँच बनाने में सहायक
- ई-कॉमर्स और मौद्रिक लेन-देन के लिए प्रयोग
- इंटरनेट और ई-मेल के माध्यम से कम लागत में सूचनाओं तक पहुंच

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

② जनसंचार तंत्र

रेडियो

- भारत में रेडियो का प्रसारण रेडियो क्लब ऑफ बाम्बे द्वारा प्रारंभ (1923 में)
- तब से इसने असीमित लोकप्रियता पाई
- लोगों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में परिवर्तन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

- 1930 में सरकार ने इंडियन ब्रॉडकास्टिंग सिस्टम के अंतर्गत इसे अपने नियंत्रण में ले लिया

- 1936 में ऑल इंडिया रेडियो में बदल दिया गया
1957 में आकाशवाणी में बदल दिया गया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिवहन तथा संचार

ऑल इंडिया रेडियो

- सूचना, शिक्षा एवं मनोरंजन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का प्रसारण
- संसद / विधानसभा सत्रों के दौरान विशेष समाचारों का प्रसारण